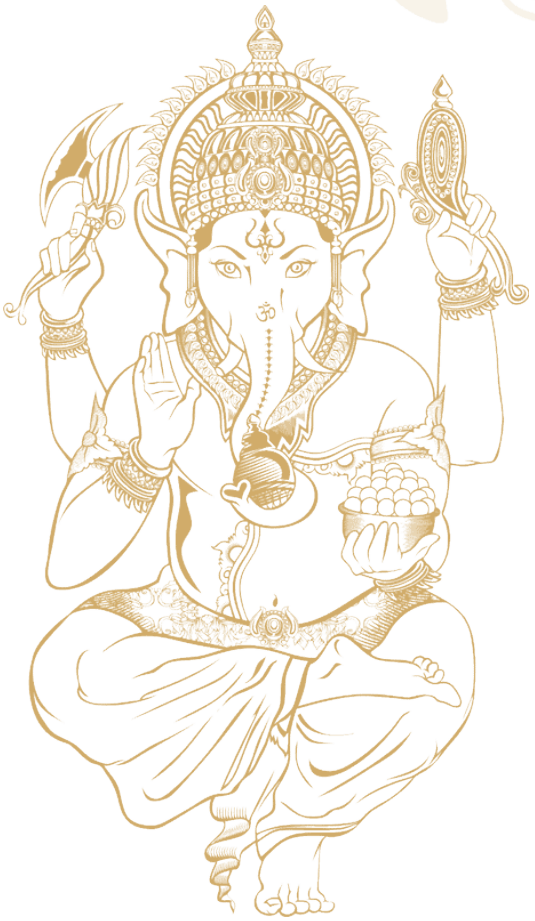

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119885605

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/02/1996	जन्म तिथि	09/03/1995
रविवार	दिन	गुरुवार
घंटे 15:28:00	जन्म समय	12:30:00 घंटे
घटी 21:13:09	जन्म समय(घटी)	14:19:19 घटी
India	देश	India
Sikar	स्थान	Sikar
27:51:00 उत्तर	अक्षांश	27:51:00 उत्तर
75:14:00 पूर्व	रेखांश	75:14:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:04	स्थानिक संस्कार	-00:29:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:58:44	सूर्योदय	06:46:16
18:26:09	सूर्यास्त	18:33:39
23:48:19	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:35

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 3वर्ष 1मा 25दि	04:43:58	कर्क	लग्न	मिथु	06:11:17	चन्द्र 0वर्ष 3मा 2दि
राहु	12:16:49	कुंभ	सूर्य	कुंभ	24:26:54	गुरु
21/04/2016	02:59:33	वृष	चंद्र	वृष	22:59:26	10/06/2020
22/04/2034	14:02:17	कुंभ	मंगल व	कर्क	20:53:09	10/06/2036
राहु 02/01/2019	19:25:29	मक	बुध	मक	28:36:55	गुरु 29/07/2022
गुरु 28/05/2021	17:09:05	धनु	गुरु	वृश्चि	20:45:35	शनि 09/02/2025
शनि 03/04/2024	25:14:23	मीन	शुक्र	मक	13:42:09	बुध 18/05/2027
बुध 21/10/2026	01:02:43	मीन	शनि	कुंभ	21:36:53	केतु 22/04/2028
केतु 09/11/2027	24:11:21	कन्या	राहु	तुला	12:58:37	शुक्र 22/12/2030
शुक्र 09/11/2030	24:11:21	मीन	केतु	मेष	12:58:37	सूर्य 11/10/2031
सूर्य 03/10/2031	08:42:12	मक	हर्ष	मक	05:22:29	चन्द्र 09/02/2033
चन्द्र 03/04/2033	02:52:43	मक	नेप	मक	01:05:47	मंगल 16/01/2034
मंगल 22/04/2034	09:17:03	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	06:48:16	राहु 10/06/2036

लग्न-चलित

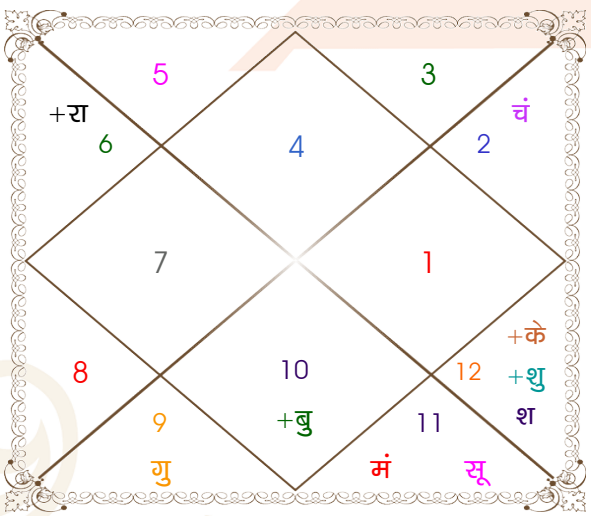

लग्न-चलित

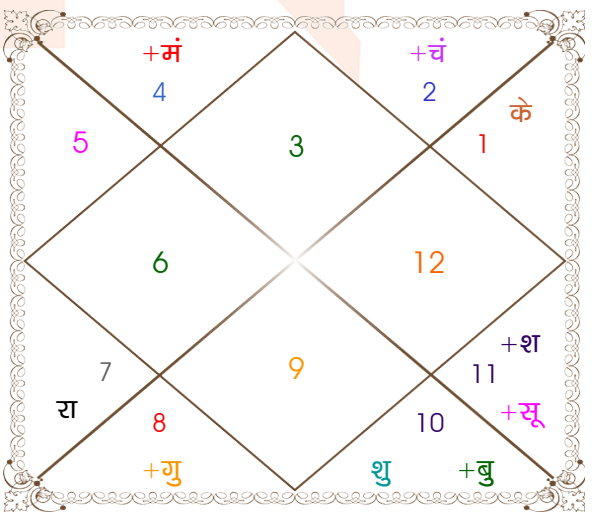

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms. का नक्षत्र रोहिणी है।

Mr. का वर्ग गरूड़ है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।